हरिभूमि
जांजगीर-चांपा भूमि
बिलासपुर, शुक्रवार, 10 मई 2024
अकलतरा | बलौदा | नवागढ़ | पामगढ़ | मालखरौदा | जैजैपुर | डभरा | सक्ती

तापमान

अधिकतम 40.0 डिग्री

न्यूनतम 22. 0 डिग्री

4 पार्किंग नहीं होने के चलते बैंक के सामने रोज लगता है जाम

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाया जाएगा अक्षय तृतीय का पर्व आज

जांजगीर-चांपा। अक्षय तृतीया का पर्व शुक्रवार 10 मई को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जगह-जगह बच्चे पर्व की खुशियां साझा करेंगे तो वहीं पर्व के मध्य नजर बाजार में भी अक्षय तृतीया के लिए उपयोग में आने वाली सामग्रियों की बिक्री शुरू हो गई है। आमतौर पर अक्षय तृतीया को बेहद शुभ माना जाता है और इस दिन किसी भी तरह कोई तिथि देखने की आवश्यकता नहीं होती है, यही वजह है कि इस दिन सभी मांगलिक कार्य के साथ शुभ कार्य संपन्न होते हैं, लिहाजा अक्षय तृतीया का दिन बेहद शुभ माना जाता है और दीपावली की तरह ही उत्साह के साथ पर्व संपन्न होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान विष्णु और कुबेर देव की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग सच्चे भाव के साथ इस तिथि पर देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और दान, खरीदारी आदि कार्य करते हैं उन्हें शुभ फलों की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के परशुराम अवतार का जन्म हुआ था। अक्षय तृतीया के दिन ही युधिष्ठिर को कृष्णजी ने अक्षय पात्र दिया था। इस दिन दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

जिला परियोजना कार्यालय जिला परिवहन कार्यालय में संचालित

जांजगीर-चांपा। जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा ने बताया कि जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, जिला जांजगीर-चांपा का भवन स्थानांतरित कर यह कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी जिला जांजगीर-चांपा के पुराना भवन जर्वे (च) जांजगीर में संचालित किया जा रहा है।

कोटमी में उपतहसील शुरू नहीं होने से 21 गांव के ग्रामीणों को हो रही परेशानी

जांजगीर-चांपा। ग्राम पंचायत कोटमी में कांग्रेस शासनकाल में उपतहसील कार्यालय मंजूरी दी गई थी लेकिन आज तक यहां कार्यालय प्रारंभ नहीं हुआ है और न ही अभी तक तहसीलदार एवं अन्य कर्मचारी की नियुक्ति की गई है। ग्रामीणों की सुविधा के लिए उप तहसील खोलने की स्वीकृति दी गई थी मगर कार्यालय शुरू नहीं होने से 21 गांव के ग्रामीणों को परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। उप तहसील कार्यालय के नाम पर एक भवन में उप तहसील कार्यालय लिख कर छोड़ दिया गया है। वहीं अब भवन में लगे ताले में जंग लग गया है। आजादी के इतने साल बाद उप तहसील कार्यालय तो खुल गया लेकिन धरातल में कुछ नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबी मांग के बाद किसी तरह कोटमी में उप तहसील कार्यालय की मंजूरी तो मिली, लेकिन उसके बाद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। ग्रामीणों ने उप तहसील कार्यालय में विभागीय अधिकारी नियुक्त करने की मांग की है। तहसील कार्यालय शुरू होने पर 21 गांव के किसानों को लाभ मिलेगा।

गर्मी में लहलहाती धान की फसलों पर आने लगी बालियां

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिला और नवगठित जिला सक्ती में लगी ग्रीष्मकालीन धान की फसलों में अब बालियां आने लगी है। उम्मीद है कि आने वाले 15-20 दिनों में किसानों की फसल पककर तैयार हो जाएगी। जांजगीर चांपा जिले के नवागढ़, पामगढ़ और बलौदा के अलावा बम्हनीडीह ब्लाक के दर्जनों गांव में ग्रीष्मकालीन धान की खेती हुई है। हसदेव बांगो नहर शाखा की दायी और बायी दोनों तटों में पानी मिलने पर जिले के नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम खोखरा, मेंहदा, धाराशिव, पेण्ड्री, सुकली, धुरकोट, हरदी, अमोदा, भैंसमुड़ी, नवागढ़, किरीत, खैरताल, तुलसी, खपरीडीह क्षेत्र में धान की फसल लगाई गई है। इसी तरह पामगढ़, बलौदा, अकलतरा क्षेत्र सहित बम्हनीडीह ब्लाक में ग्रीष्मकालीन धान की खेती हुई है।

एक तिहाई से अधिक विद्यार्थी नहीं हो सके पास, ओवर ऑल रैंकिंग में 32वां स्थान

बारहवीं बोर्ड में टॉप टेन से बाहर हुआ जिला, दसवीं में एक छात्रा ने बचाई लाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

सक्ती जिले में 10वीं के दो छात्र छात्रा ने मेरिट सूची में अपनी जगह, 12वीं में कोई नहीं

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जांजगीर चांपा जिले के लिए अत्यंत ही निराशाजनक रहा है। 12वीं बोर्ड में जहां अविभाजित जांजगीर जिले से कोई भी छात्र छात्रा मेरिट सूची में नहीं आए तो वहीं 10वीं की मेरिट सूची में जांजगीर से 1 व सक्ती जिले से 2 बच्चों ने स्थान बनाकर यहां की लाज बचा ली। खास बात यह है कि बोर्ड परीक्षा देने वाले एक तिहाई से अधिक छात्र छात्रा उत्तीर्ण भी नहीं हो सके है।

गुरूवार 9 मई को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। इस दौरान प्रदेश में टॉप टेन में जगह बनाने वाले छात्र छात्राओं की सूची भी जिलेवार जारी की गई। इस सूची के अनुसार 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में जांजगीर चांपा जिले व नवगठित जिला सक्ती से किसी भी छात्र छात्रा का नाम नहीं है। जांजगीर चांपा जिले में 12वीं बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत छात्र छात्राओं में से 63.28 प्रतिशत छात्र छात्रा ही उत्तीर्ण हुए है। जबकि एक तिहाई से अधिक छात्र छात्रा सफल नहीं हुए है। आंकड़ो के अनुसार देखा जाए तो कुल पंजीकृत 12 हजार 425 छात्र छात्राओं में से 12 हजार 310 ने परीक्षा दिलाई थी। जिनमें से 7 के परिणाम रोके गए है। घोषित परीक्षाफल 12 हजार 303 में से 7 हजार 786 उत्तीर्ण हुए है, जबकि 3 हजार 163 फेल व 1 हजार 354 पूरक आए है। इसके अलावा प्रथम श्रेणी में 2 हजार 733, द्वितीय श्रेणी में 4 हजार 585 और 467 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है, जबकि एक मात्र विद्यार्थी को उत्तीर्ण श्रेणी मिला है। इधर दसवीं के परिणाम में जांजगीर जिले के अकलतरा से 1 व सक्ती जिले से 2 बच्चों ने मेरिट सूची में जगह बनाई है। अकलतरा की छात्रा जागृति प्रजापति को 10वीं स्थान मिला है। वहीं सक्ती जिले में तुलसीडीह की छात्रा जान्हवी पटेल को छठवां स्थान और जाजंग के राहुल गबेल को दसवां स्थान मिला है। दसवीं में भी जांजगीर चांपा जिले का परीक्षाफल निराशाजनक रहा है। 61.89 प्रतिशत बच्चे उत्तीर्ण हुए है। जबकि एक तिहाई से अधिक छात्र छात्रा थोक में फेल हुए है।

टॉपर छात्रा जागृति का मुंह मीठा कराते परिजन।

अपने परिजनों के साथ राहुल गबेल

पढ़ाई से ज्यादा दिखावे पर जोर, रिजल्ट कमजोर

जांजगीर चांपा जिले में दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा का जिस तरह से निराशाजनक परिणाम आया है, उसको लेकर जिम्मेदार विभाग के अलावा प्रशासन व एनजीओ के बनाए कार्यक्रमों की सफलता पर सवाल उठने लगे है। दरअसल बीते दो-तीन सालों से जिले में एनजीओ के माध्यम से बच्चों को नई तकनीक बताने और शिक्षा का स्तर सुधारने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। हद तो तब हो गई जब जाज्यल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला के समृद्ध मंच में जिला प्रशासन से एक कदम आगे बढ़कर एनजीओ के पदाधिकारियों ने जिले के पूर्व कलेक्टर व प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी सहित मंचस्थ अतिथियों को प्रभावित करने एलईडी स्क्रीन पर अपने कार्यक्रम दिखाए और शिक्षा गुणवत्ता, बच्चों के बौद्धिक विकास को लेकर आधे घंटे से अधिक का भाषण दिया। अफसोस इस दौरान जमीनी स्तर पर स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था पूरे समय तक पढ़ाई आदि पर ध्यान नहीं दिय गया। लिहाजा बोर्ड परीक्षा परिणाम में शीर्षस्थ स्थान पर रहने वाला जांजगीर चांपा जिला अंतिम पंक्ति में जा पहुंचा है।

नए सत्र में करेंगे प्रयास

दसवीं में 61.89 व बारहवीं में 63.28 प्रतिशत रिजल्ट आया है। बारहवीं में मेरिट में कोई नहीं है। दसवीं में एक छात्रा ने टॉप टेन में जगह बनाई है। नए सत्र में 16 जून से ही रिजल्ट सुधारने प्रयास करेंगे।

-अश्वनी भारद्वाज,
डीईओ, जांजगीर चांपा

जब्त बाइक के साथ पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पुलिस बताकर धमकाने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

सिटी कोतवाली के बिरगहनी का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

स्वयं को पुलिस बताकर रुपए लूटने व धमकाने के मामले में 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से बाइक व शराब को जब्त किया है।

इस संबंध में सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बिरगहनी के सरोज केंवट, विक्रम दास महंत और लछनपुर के पुरुषोत्तम साहू ने गैंग बनाई थी। तीनों जिले की विभिन्न शराब दुकानों के पास जाकर शराब खरीदने आए ग्राहकों की जांच करते थे। खुद को पुलिस बताकर ये तीनों उन लोगों को डराते भी थे। जांच के दौरान यदि किसी के पास अधिक शराब मिलती थी तो उसे आबकारी अधिनियम के तहत केस बनाने व जेल भेज देने की बात कह कर डराते थे। पुलिस ने तीन आरोपियों को पगिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी को पकड़ा

अकलतरा नगर में वार्ड क्रमांक 8 शास्त्री चौक के पास कई दिनों से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले नाबालिग को मोहल्ले वासियों ने पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। अकलतरा के वार्ड क्रमांक 8 सांई मंदिर के पास के घरों में लगातार नगदी एवं सामान की चोरी हो रही थी। इस घटना को अंजाम दे रहा था। कुछ दिन पहले ही मोहल्लावासी दीपक भोजासिया के घर में रखी साइकिल की चोरी हुई थी। मोहल्लेवासी आक्रोशित हो गए और फिर उन्हों ने पुलिस से संपर्क किया तो थाना प्रभारी दिनेश कुमार यादव मौके पर पहुंचे और लोगों को आश्वासन दिया।

हर 15-20 मिनट के बीच में बंद हो जाता है नैला रेलवे फाटक

नैला रेलवे फाटक में लगी वाहनों की कतार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

शहर के नैला स्थित रेलवे फाटक रहवासियों के लिए जी का जंजाल बन गया है। लगातार ट्रेनों के आवाजाही से लंबे समय तक फाटक बंद रहता है। लंबे इंतजार के बाद फाटक खुलता भी है तो वहां लंबा जाम लग जाता है। फाटक खुलने के इंतजार में लोग घंटो खड़े रहते है। तब तक दूसरी ट्रेन आ धमकती है। देखते ही देखते फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है।

नैला रेलवे फाटक में जाम की समस्या इतनी विकराल होती जा रही है कि लोगों को इस रास्ते में सफर करने से पहले यह डर सताता है कि पता नहीं कितना लंबा जाम मिलेगा, कितने घंटे फंसे रहेंगे। इस फाटक से होकर गुजरने वालों लोग अब किसी भी काम पर जाने के लिए एक घंटा पहले लेकर निकलते हैं, क्योंकि पता है कि एक बार फाटक बंद हुआ तो कम से कम तीन से चार गाड़ियां निकलने बिना फाटक नहीं खुलेगा और आधा से पौन घंटे तक फंसना पड़ेगा। इस रास्ते में सफर करने वालों के लिए जाम में फंसने के लिए सिवाय कोई चारा नहीं है। क्योंकि ओवरब्रिज बनना यहां अभी केवल सपने की तरह है। राहगीरों ने बताया कि फाटक बंद होने की स्थिति में पांच मिनट के काम में 30 से 45 मिनट लग जाते हैं। जिसके कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

तेज रफ्तार कार ने बच्ची को कुचला, मौके पर हुई मौत

जांजगीर-चांपा। 12 वर्षीय मासूम को कार चालक ने वाहन चलाते हुए ठोकर मार दी। इस दौरान वह घायल हो गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जांजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकली गांव में एक बच्ची को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। इस घटना में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, सुकली गांव के प्रदीप लाठिया की 12 वर्षीय बेटी श्वेता लाठिया, गांव के शादी कार्यक्रम चुलमाटी में शामिल होने जा रही थी इसी बीच एक तेज रफ्तार कार ने बालिका को रौंद दिया और मौके से फरार हो गया। इस घटना में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे आननफानन में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चुनाव में बेहतर व्यवस्था के लिए धन्यवाद, समर कैंप के बारे में करें विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने पर शिक्षक मोर्चा कलेक्टर को धन्यवाद देने पहुंचा। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन व्यवस्था की जमकर तारीफ की। फिर गर्मी में लगाए जा रहे समरकैंप में होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए इस पर विचार करने का आग्रह किया।

खास बात

- शिक्षक मोर्चा ने कलेक्टर से की मुलाकात, रखी अपनी बात

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद शिक्षक मोर्चा के पदाधिकारी और सदस्य कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्र में कूलर, मटका में पानी, गद्दा, भोजन, नींबू पानी, सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने तथा सामग्री वितरण केंद्र में डोम पंडाल, जलजीरा पानी, बैठक के लिए कुर्सी, कूलर, पंखा की जमकर तारीफ की। इसके लिए जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया। संगठन पदाधिकारियों ने निर्वाचन मानदेय की शीघ्र भुगतान करने की मांग की। जिस पर अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिया गया। शिक्षक मोर्चा के पदाधिकारियों ने मतदान केंद्र व सामग्री वितरण केंद्र में जांजगीर जिला गठन के बाद पहली बार बेहतर सुविधा के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा व सीईओ जिला पंचायत गोकुल रावटे का बुके भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रावटे ने बताया कि संगठन के मांग पर ध्यान रखते हुए यथासंभव पति पत्नि आधार एवं छोटे बच्चों वाले महिलाओं को निर्वाचन ड्यूटी में छूट दी गई है। संघ पदाधिकारियों ने कलेक्टर के साथ बैठकर शिक्षा विभाग में संचालित योजना जाति प्रमाण पत्र में होने वाली परेशानी आयुष्मान योजना सहित विभिन्न कार्यों में शिक्षकों को होने वाली परेशानी और उसके निदानात्मक उपाय के संबंध में चर्चा की। इसी दौरान शिक्षक मोर्चा के पदाधिकारियों ने भीषण गर्मी के मौसम में समर कैम्प को स्थगित रखने की मांग की, जिस पर कलेक्टर ने कहा कि समर कैम्प को स्वैच्छिक रखा जाएगा। शिक्षक अपने निवास स्थान के स्कूलों में स्वेच्छा से सुबह 7 से 9 बजे तक अध्यापन करा सकते है यह पूर्णतः स्वैच्छिक रहेगा। और शाला में उपलब्ध संसाधन के अनुरूप योजना बनाकर समर कैम्प का संचालन कर सकते है।किसी शिक्षक से जोर जबरजस्ती कार्य नही कराया जाएगा। कुछ जगह एनजीओ द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।अतः यह शिक्षक और छात्र/छात्राओं दोनों के लिए स्वैच्छिक है। जिला कलेक्टर से मुलाकात के दौरान कु पल्लवी पटेल पिता मनोज पटेल द्वारा कलेक्टर जी का हाथ से बनाये हुए हूबहू तश्वीर भेंट की। जिसे कलेक्टर सर ने हुनर की तारीफ करते हुए भविष्य के लिए मार्गदर्शन किया। मुलाकत करने वालों में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी, शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला, टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, संयुक्त शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विकास सिंह, टीचर्स एसोसिएशन के जिला सचिव बोधीराम साहू, शालेय शिक्षक संघ के जिला सचिव योगेंद शुक्ला, धनंजय शुक्ला,शंकर यादव, संजय दुबे, संयुक्त शिक्षक संघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष शरद राठौर,राकेश तिवारी, मनोज पटेल शामिल थे।

कलेक्टर से मुलाकात करने पहुंचे शिक्षक मोर्चा के पदाधिकारी।

अधिनियम के तहत 2 वर्ष की सजा से किया जाता है दंडित

आने वाली थी बारात, अफसरों ने रूकवाया बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

ग्राम अकलतरी में एक नाबालिग लड़की का विवाह कराया जा रहा था। जिला प्रशासन को इसकी सूचना मिलने पर अधिकारियों के द्वारा विवाह स्थल पर पहुंचकर नाबालिग लड़की का जन्म प्रमाण पत्र मांगा गया। जन्म प्रमाण पत्र में नाबालिग लड़की की उम्र 17 वर्ष 9 माह होना पाए जाने पर नाबालिक लड़की के विवाह को रोका गया।

इस संबंध में जिला बाल सरंक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल ने बताया कि ग्राम पंचायत अकलतरी में एक ही परिवार की 2 बालिकाओं का विवाह निर्धारित था। दोनों में से एक लड़की के नाबालिग होने की सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग व पुलिस विभाग की टीम द्वारा दोनो बहनो की आयु सत्यापन संबंधी दस्तावेज की जांच गयी। बड़ी बहन की उम्र 20 वर्ष से ऊपर होना पाया गया एवं छोटी बालिका के दस्तावेज की जांच की गयी जहां बालिका की उम्र 17 वर्ष 09 माह होना पायी। प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा बालिका एवं उसके माता-पिता एवं स्थानीय लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया एवं 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह करने की समझाईश दी गई। अधिकारियों के समझाइश के बाद स्थानीय लोगों की उपस्थिति में बालक के माता-पिता की सहमति से बालिका का विवाह रोका गया है। ज्ञात हो कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह के लिए लड़की की उम्र 18 वर्ष तथा लड़के की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित उम्र से कम होने की स्थिति में बाल विवाह करने पर पुलिस विभाग द्वारा अपराध पंजीबद्ध करते हुए विवाह करने वाले माता-पिता, विवाह में सम्मिलित होने वाले रिश्तेदार, टेंट प्रभारी, डीजे साउंड, धुमाल प्रभारी, भोजन बनाने वाले रसोइया ,हलवाई, केटरिंग प्रभारी, विवाह कराने वाले पंडित के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने का प्रावधान है। अधिनियम के के अंतर्गत आरोपियों को 2 वर्ष के कठोर सश्रम कारावास तथा 1 लाख के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जाने का प्रावधान है। महिला बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम में शिवनंदन सिह मरकाम, अमित भोई, निर्भय सिंह, भुपेश कश्यप, जास्मिन निराला, आगनबाड़ी कार्यकर्ता सुलोचनि श्रीवास, कलिंद्री यादव, दुर्गा साहू, कोटवार पुनेश्वर दास मानिकपुरी शामिल थे।

परिजनों को समझाईश देते अफसरों की टीम।

NEET एवं JEE एक जूनून है और GOAL इसकी शुरूआत!
GOAL®
Educational Services Pvt. Ltd.
Nation's Leading Institute
छ.ग. के छात्रों एवं अभिभावकों के बीच
सर्वाधिक लोकप्रिय एवं विश्वसनीय संस्थान : GOAL
Congratulations...
to all the Students
Passed in 10th & 12th Chhattisgarh Board
Best Wishes for Future Journey...
50% छात्रवृत्ति
12th छ.ग. बोर्ड परीक्षा परिणाम में आये
प्रथम 10 विद्यार्थियों के लिए।
DROPPER BATCH NEET / JEE
& 9th | 10th | 11th | 12th
Admission Open...
1st Batch - 17th May / 2nd Batch - 24th May
BHILAI 166, NEW CIVIC CENTRE, PH- 0788-4013502, 7415884100
BHILAI GOAL GENIUS CAMPUS, RISALI, PH- 0788-4040300, 7772060999
BHILAI 139, ZONAL MARKET, SECTOR-10, PH- 9826943595 0788-4064100
RAIPUR BESIDE VIDYA HOSPITAL, SHANKAR NAGAR, PH- 0771-4060711

मेरी मां• मेरी दुनिया

हर बच्चे की जिंदगी में उसकी मां बहुत बड़ी जगह रखती है। मां के बिना उसकी जिंदगी सूनी है। मां है तो उसके जीवन में बहार है। टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स **बालभूमि** को बता रहे हैं, उनकी मां उनके लिए कितनी इंपॉर्टेंट है, उनका सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे कौन सा रहा, इस स्पेशल-डे पर ये चाइल्ड आर्टिस्ट्स अपनी मां को क्या मैसेज देना चाहेंगे?

वह मेरी हिम्मत-ताकत और पहचान हैं : जारा वारसी

जारा वारसी इन दिनों एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चमची के रोल में सबको खूब हंसा रही है। 'मदर्स-डे' का जिक्र आते ही सबसे पहले वह यही बताती है कि उसके लिए, उसकी मम्मी कितना महत्व रखती हैं। जारा बताती है, 'मेरी मां मेरी जिंदगी हैं। वह मेरी हिम्मत, ताकत और मेरी पहचान हैं। उनका पूरा दिन मेरी देखभाल करने में बीतता है, मुझे शो की शूटिंग और अपनी पढ़ाई के बीच तालमेल बैठाने में वह मेरी बहुत हेल्प करती हैं। मैं उनके बिना एक दिन की भी कल्पना नहीं कर सकती।' जारा के लिए उसका अब तक का सबसे यादगार मदर्स-डे कौन-सा था, पूछने पर वह बताती है, 'मेरे लिए सबसे यादगार मदर्स-डे वह था, जब हम भाई-बहनों ने मां को घर पर बनाई ब्रंच के साथ सरप्राइज दिया था। हमने डाइनिंग टेबल को फूलों और मोमबत्तियों से सजाया। जब मां टेबल के पास आईं, तो यह सब देखकर उनका चेहरा खुशी से खिल उठा था। हम सभी ने एक साथ टेस्टी खाने का आनंद लिया।' इस बार जारा की मदर्स-डे के लिए क्या खास प्लानिंग है, वह बताती है, 'मैंने मदर्स-डे के लिए अपनी ड्रॉइंग टीचर की मदद से मम्मी के लिए एक सुंदर-सा मदर्स-डे ग्रीटिंग कार्ड बनाना शुरू कर दिया है। उस दिन घर के सारे काम मैं करूंगी ताकि मम्मी आराम कर सकें। शूटिंग के दौरान, हम सभी चाइल्ड आर्टिस्ट्स अपनी मांओं को एक बड़े केक के साथ सेट पर अचानक सरप्राइज देंगे।' जारा कहती है, 'मैं आज जो कुछ भी हूं, उसमें सबसे बड़ा योगदान मेरी मम्मी का है। मैं उनको हर बात के लिए 'थैंक यू' कहना चाहती हूं।' *

थैंक यू मां! हर हाल में मेरा साथ देने के लिए : शीहान कपाही

आजकल शीहान कपाही ने सोनी सब चैनल पर प्रसारित हो रहे शो 'वागले की दुनिया' में अथर्व वागले के रोल में दर्शकों का दिल जीत रखा है। उसके लिए उसकी मां उसकी दुनिया है। वह बताता है, 'मेरी मां मेरे लिए सब कुछ हैं। वह मेरे साथ हर हाल में खड़ी रहती हैं। मैं उनसे अपनी हर बात शेयर करता हूं। उनके प्यार और मार्गदर्शन ने मुझे वो बनाया, जो मैं आज हूं।' शीहान अपना सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे याद करते हुए बताता है, 'दो साल पहले की बात है। मदर्स-डे के दिन अपनी मां के लिए नाश्ता बनाकर मैंने उन्हें सरप्राइज दिया था। सुबह जल्दी उठकर, अपने पापा की हेल्प से मैंने उनका पसंदीदा नाश्ता तैयार किया। जब हमने उनके सामने डोसा के साथ ताजे नारियल की चटनी रखी तो वह इसकी खुशबू से खिल उठीं। उनके चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। इससे पहले मैंने पंखे पर कुछ फूलों की पंखुड़ियां रख दी थीं, ताकि जब वह कमरे में आएं और पंखा चले तो पूरा कमरा उनके स्वागत में फूलों की पंखुड़ियों से भर जाए।' इस साल शीहान अपनी मां के लिए क्या स्पेशल प्लान कर रहा है, वह बताता है, 'मैं मां को मॉल में शॉपिंग के लिए ले जाऊंगा या फिर घर पर उनकी कोई पसंदीदा फिल्म टीवी पर लगा दूंगा। साथ ही मैं उनके लिए कुछ स्पेशल भी करना चाहता हूं, जैसे हाथ से बना कार्ड या हमारे पसंदीदा यादों की एक स्क्रैप-बुक बनाऊंगा। लेकिन सबसे अधिक मैं उन्हें यह बताने के लिए एक्साइटेड हूं कि मां आप मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट हैं। मैं सचमुच आपकी बहुत कद्र करता हूं। आपका प्यार और समर्थन मेरे लिए सब कुछ है। मैं अपनी मां के रूप में आपको पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। थैंक यू मां! हर हाल में मेरा साथ देने के लिए, मुझ पर विश्वास करने के लिए।' *

उनके बिना मेरा जीवन अधूरा है : व्योम ठक्कर

व्योम ठक्कर ने एंड टीवी के शो 'अटल' में यंग अटल का रोल प्ले करके एक अलग ही धाक जमा ली है। मदर्स-डे के मौके पर वह अपनी मां के लिए अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए बताता है, 'मेरी मां की मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। मैं उनके लव और सपोर्ट के लिए हमेशा उनको 'थैंक यू' कहता हूं। मेरी मां, मेरी हर जरूरत का ध्यान रखती हैं। वो इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि मैं अपने एक्टिंग करियर और पढ़ाई, दोनों में बेहतर परफॉर्म करूं। दोनों के बीच तालमेल बैठाने में मां मेरी पूरी मदद करती हैं। उनके प्यार और देखभाल की कोई सीमा नहीं है।' व्योम अपना सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे भी बताता है, 'एक साल मदर्स -डे पर मैंने मां को एक प्यारा सा पत्र लिखा था, जिसमें मैंने उन्हें बताया था कि वह मेरे लिए कितनी इंपॉर्टेंट हैं। उसके बाद मैंने उन्हें एक स्पेशल गिफ्ट भी दिया था। बाद में हम एक साथ रेस्तरां में डिनर करने गए थे। उस दिन मां के साथ बिताया गया पल मेरे लिए बहुत ही स्पेशल ढंग से सेलिब्रेट करेगा, वह बताता है, 'इस बार का मदर्स-डे और भी खास बनाने के लिए मैंने प्लानिंग कर रखी है। सबसे पहले मैं मां की पसंदीदा डिशेज बनाने की सोच रहा हूं। उन्हें फिल्में देखना बहुत पसंद है, हम एकसाथ फिल्म देखने जाएंगे या फिर बाहर घूमने जाएंगे। इसके अलावा मैं उन्हें एक स्पेशल गिफ्ट भी दूंगा। ये सभी प्लानिंग्स मुझे उनके साथ समय बिताने का अवसर देंगी।' व्योम अपनी मां को क्या मैसेज देना चाहेगा, पूछने पर कहता है, 'मां, मैं आपसे कहना चाहूंगा, आप मेरे लिए सबसे इंपॉर्टेंट हैं। मैं आज जो कुछ भी हूं, आपके लव, केयर और सपोर्ट से हूं। मेरी लाइफ को मीनिंगफुल बनाने के लिए थैंक यू मां!' *

प्रस्तुति:हरिभूमि फीचर्स

ऑकेजन / अनुराग मनीष

मौका मदर्स-डे का हो तो यह बनता ही है कि अपनी मम्मी को कुछ स्पेशल फील कराया जाए, उन्हें खुशी दी जाए। हम तुम्हें कुछ आइडियाज दे रहे हैं, जिनसे तुम मदर्स-डे को मेमोरेबल बना सकते हो।

मम्मी को फील कराओ स्पेशल

बच्चों, हमारी जिंदगी में मां बहुत ही महत्व रखती हैं। मां हमारा बहुत ज्यादा ध्यान रखती हैं ताकि हमें कोई तकलीफ ना हो, हम हमेशा खुश रहें। हमें जरा-सी तकलीफ हुई नहीं कि हमारी मांएं परेशान हो जाती हैं, तुरंत ही हमारी परेशानी को दूर करने में जुट जाती हैं। जब तक हमारी परेशानी दूर नहीं होती, उन्हें चैन नहीं पड़ता।

बच्चों, जिस तरह मां हमारी इतनी चिंता करती हैं, हमारी छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखती हैं, उनके प्रति हमारे भी कुछ दायित्व हैं, जिम्मेदारी है कि हम भी उनका पूरा ध्यान रखें। उन्हें कभी कोई तकलीफ नहीं होने दें। हम हर दिन तो उनका ख्याल रखें ही, लेकिन जब 'मदर्स-डे' जैसा अवसर आए तो हम उन्हें कुछ स्पेशल भी फील कराएं।

अपनी फीलिंग्स ऐसे करो एक्सप्रेस: बच्चों, मदर्स-डे के दिन अपनी मम्मी के लिए तुम्हारी जो भी फीलिंग्स हैं, उन्हें एक कागज पर लिख लो। उनके लिए तुम कोई प्यारी-सी कविता भी लिख सकते हो या फिर मदर्स-डे की थीम पर कोई ड्रॉइंग, पेंटिंग बना सकते हो। इसे मदर्स-डे की सुबह-सुबह चुपके से मम्मी के तकिए के नीचे या फिर किसी ऐसी जगह रख दो कि सोकर उठते ही मम्मी की नजर सबसे पहले इसी पर पड़े। तुम्हारा यह 'सरप्राइज मैसेज' तुम्हारी मम्मी को बहुत ही प्यारा लगेगा।

दो प्यारा-सा गिफ्ट : बच्चों, मदर्स-डे के स्पेशल ऑकेजन पर आजकल मार्केट में तरह-तरह के गिफ्ट आइटम्स और कार्ड्स अवेलेबल होते हैं। तुम अपनी पॉकेट मनी से अपनी मम्मी के लिए कोई प्यारा-सा गिफ्ट या कार्ड खरीद कर उन्हें दे सकते हो। लेकिन ज्यादा अच्छा यह होगा कि तुम अपने हाथों से कोई गिफ्ट या कार्ड बनाकर उन्हें दो। मम्मी को तुम्हारे हाथों से बनाया हुआ गिफ्ट मार्केट से खरीदे हुए गिफ्ट से अधिक पसंद आएगा।

मम्मी को दो पूरा आराम : बच्चों, हर रोज सुबह से लेकर रात तक तुम्हारी मम्मी के पास बहुत सारे काम रहते हैं। मदर्स-डे के दिन अपनी मम्मी को घर का कोई भी काम मत करने दो। सुबह से लेकर रात तक के सारे कामों की जिम्मेदारी तुम लो। मदर्स-डे के दिन मम्मी से बोलो, 'आज आप आराम करें, एंज्वॉय करें।' घर के कामों में अपने भाई-बहन की भी हेल्प ले सकते हो। मदर्स-डे के दिन अपने हाथों से बनी कोई स्पेशल डिश अपनी मम्मी को जरूर खिलाओ। इसे खाकर उन्हें मजा आएगा। *

अपनी दादी-नानी मां को भी करो विश

बच्चों, अगर तुम्हारी दादी मां तुम्हारे साथ रहती हैं, तो मदर्स-डे पर तुम उन्हें भी विश करो, यह ना भूलो कि वह तुम्हारे पापा की मम्मी हैं, घर में सबके प्यार और सम्मान की हकदार हैं। अगर दादी मां तुम्हारे साथ नहीं रहती हैं, होम टाउन में रहती हैं तो तुम उन्हें कॉल या वीडियो-कॉल करके विश करो। उन्हें बहुत अच्छा लगेगा। बच्चों, सिर्फ दादी मां को ही नहीं, अपनी मम्मी की मम्मी यानी नानी मां को भी मदर्स-डे पर विश करो। जब तुम उन्हें 'हैप्पी मदर्स-डे' बोलोगे तो वह बहुत ज्यादा खुश होंगी, निहाल हो जाएंगी।

जीके क्विज- 103

1.किस विश्व प्रसिद्ध धावक को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का ब्रैंड एंबेसेडर बनाया गया है?
2.हाल ही में बिस्का जात्रा (बिस्किट यात्रा) महोत्सव-2024 किस देश में आयोजित हुआ?
3.भारतीय संसद की एक वर्ष में कम-से-कम कितनी बैठकें होनी आवश्यक हैं?
4.कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
5.जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
6.कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
7.'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?
8.बल का मात्रक क्या होता है?
9.गौतम बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?
10.'गीतांजलि' किसकी रचना है?

बच्चों, जीके क्विज-103 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-102 का उत्तर : 1.एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, 2.आईजीआई एयरपोर्ट-दिल्ली, 3.इंडोनेशिया, 4.बृहस्पति, 5.साइरस (डॉग स्टार), 6. मौलाना अबुल कलाम आजाद, 7.दूसरा, 8.प्लेटिनम, 9.बछेंद्री पाल, 10.मेगस्थनीज

जीके क्विज-102 का सही उत्तर देने वाले: यदुवेंद्र-महेंद्रगढ़, मानवी मधुकर-बिलासपुर, राहुल-हिसार, सरबजीत-करनाल, बी. ईशान- अहमदाबाद, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, प्रिया-दुर्ग, नेहा–सुरजपुर, कबीर-हिसार, पृथ्वीराज,मुस्कान- ईमेल से

हंसगुल्ले

चिंटू : मिंटू बताओ, अक्ल बड़ी या भैंस?
मिंटू : पहले दोनों की डेट ऑफ बर्थ बताओ, फिर बताऊंगा।

-चांदनी, दुर्ग

पिंकी : मम्मी, मैं टीवी देखते-देखते होमवर्क कर लूं?
मम्मी : हां, ठीक है! लेकिन टीवी ऑन मत करना।

-रचित, जींद

अंकल (रोहित से) : बेटा, आपके पापा का क्या नाम है?
रोहित : अंकल, मैं उन्हें नाम से नहीं बुलाता हूं। बस प्यार से पापा ही कहता हूं।

-आकाश, रायपुर

सोनू : विटामिन सी सबसे ज्यादा किस सब्जी या फल में पाया जाता है?
मोनू : हरी मिर्च में।
सोनू : तुम्हें कैसे पता?
मोनू : क्योंकि इसे खाने के बाद मुंह से 'सी..सी..' की आवाज निकलती है।

-रानी, भोपाल

कहानी

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

क्लास में नेहा मैडम ने बच्चों से पूछा कि वे इस बार मदर्स-डे पर अपनी प्यारी मां के लिए क्या स्पेशल करेंगे? सभी बच्चों ने एक-एक करके अपनी प्लानिंग बताई, लेकिन रागिनी खामोश रही। उसकी आंखों में आंसू थे। उसकी आंखों में आंसू क्यों थे? क्या वह मदर्स-डे सेलिब्रेट नहीं कर पाई?

सारे जग से न्यारी... मां

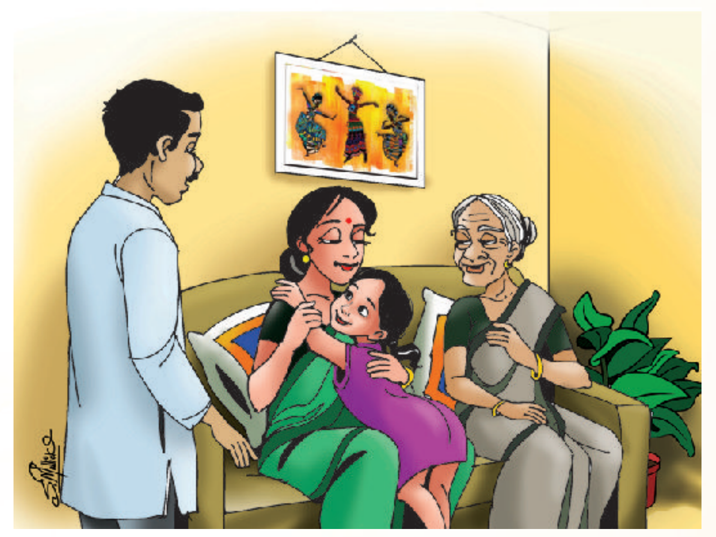

नेहा मैडम ने क्लास में इंट्री की। उनके हाथ में पहेली का एक कार्ड था। क्लास के बच्चों को समझते देर न लगी कि कोई खास दिवस आने वाला है। जब भी कोई स्पेशल-डे आने को होता, नेहा मैडम पहेली बूझती हैं। इस बार नेहा मैडम ने जो पहेली पूछी, उसकी चारों पंक्तियों में एक ही शब्द भरना था। नेहा मैडम ने बच्चों से पहेली पूछना शुरू किया, 'सारे जग से न्यारी... , ममता भरी पिटारी..., सचमुच बहुत दुलारी..., सब बच्चों को प्यारी...।'

'मां... मां... मां... मां।' सारे बच्चे एक साथ बोले।

मैडम हंसीं, पूछा, 'क्या बता रहे हो? मामा या मां..?'

'मां!' बच्चों ने फिर एक-साथ उत्तर दिया। मैडम खुशी से बोलीं, 'हम्म्म...वैरी गुड!' फिर उन्होंने पूछा, 'तो बताओ, मां के लिए तुम लोग मदर्स-डे पर क्या स्पेशल करने वाले हो?'

एक बार फिर सारी क्लास में शोर गूंज उठा। हर बच्चा जोर-जोर से बोलने लगा। मैडम ने समझाया, 'ऐसे नहीं, एक-एक कर बताओ।' आगे से एक-एक कर बच्चे 'मदर्स-डे' को लेकर अपनी-अपनी प्लानिंग बताने लगे। कुंज बोला, 'मैं तो उस दिन अपनी मम्मी को एक प्यारा-सा कार्ड बना कर दूंगा।' माधव ने कहा, 'मैं तो पापा से कह कर मम्मी की मनपसंद मिठाई मंगवाऊंगा। मम्मी के साथ खुद भी खाऊंगा।' एलिस बोली, 'मैं तो मम्मी के हाथों पर मेहंदी लगाऊंगी। मैं बहुत अच्छी मेहंदी लगाती हूं।' पुष्कर ने कहा, 'मैं तो मम्मी के काम में उनकी हेल्प करूंगा।'

अगला नंबर रागिनी का था। लेकिन वह तो चुप और खोई-खोई सी बैठी थी। जैसे इस क्लास में हो ही नहीं। उसके बगल में बैठी सुधा ने उसे हिलाया, 'बोलो-बोलो रागिनी, तुम क्या करोगी?'

रागिनी ने जैसे सुना ही नहीं। पता नहीं वह क्या सोच रही थी। मैडम उसके पास आईं और पूछा, 'क्या हुआ रागिनी, मदर्स-डे पर तुम क्या करने वाली हो?'

रागिनी की आंखों में आंसू छलक आए। धीमे से बोली, 'मैडम, मेरी मम्मी बहुत बीमार हैं। वो अस्पताल में एडमिट हैं। उनके न होने से घर में बहुत प्रॉब्लम्स हो रही हैं। घर में खाना नहीं बन रहा है, बाहर से आ रहा है।' रागिनी ने यह भी बताया कि उसे मम्मी से मिलने अस्पताल भी नहीं जाने दिया गया। वह स्कूल के बाद पापा के वापस आने तक घर में अकेली ही रहती है।

नेहा मैडम ने रागिनी को समझाया, 'चिंता मत करो बेटे, सब ठीक हो जाएगा।'

छुट्टी के बाद रागिनी घर पहुंची। मम्मी के बिना घर कितना अजीब-सा लग रहा था। दीवारें जैसे रो रही थीं। उसके स्कूल से आते ही कैसे मम्मी झट से किचेन में जाती थीं। उसकी मनपसंद चीजें बनाकर उसे खिलाती थीं। रागिनी ने देखा, सारा घर कैसा अस्त-व्यस्त है।

असल में मम्मी का ब्लड प्रेशर लो हो गया था। चक्कर खाकर गिर गई थीं। वैसे भी वह बहुत दुबली और कमजोर हैं। अपना ध्यान ही कहां रख पाती हैं। हर वक्त बस काम में जुटी रहती हैं। रागिनी को लग रहा था, जैसे मम्मी की बीमारी में वह भी कसूरवार है। वह कब काम में मम्मी की हेल्प करती है? कब उनका हाथ बंटाया? स्कूल से आकर कैसे वह अपना सामान बिखरा देती है। सब मम्मी ही तो समेटती हैं। खाना खाकर बर्तन वॉश-बेसिन तक नहीं ले जाती। वह भी मम्मी ही उठाती हैं। इतनी बड़ी हो गई, लेकिन जुराब, टाई, ड्रेस सब कुछ मम्मी से ही मांगती है। मम्मी तो कभी आराम नहीं करती हैं। रागिनी मन ही मन शर्मिंदा हो रही थी। वह चुपचाप उठी और किचेन में जाकर बर्तन धोने लगी, फिर बिस्तर ठीक किया। बिखरा सामान समेटा। मम्मी को याद करते हुए बार-बार उसकी आंखें भीग जातीं। बार-बार उसे सुबकाई आ रही थी। वह मन ही मन बोली, 'सॉरी मम्मी...।'

तभी पापा आ गए। रागिनी को देखकर बोले, 'अरे! तुम यह सब क्या कर रही हो?' पापा कब आ गए, उसको पता ही नहीं चला। रागिनी ने पापा के सवाल पर भी ध्यान नहीं दिया। हां, खुद उनसे पूछा, 'पापा, अब कैसी हैं मम्मी?'

'चलो, मिलो न उनसे। ड्राइंगरूम में हैं। नानी भी आ गई हैं।' पापा ने बताया।

रागिनी खुशी से झूम उठी। वह भागकर ड्राइंगरूम में गई और जाकर मम्मी से लिपट गई। रागिनी ने उनसे कुछ कहा नहीं, फिर भी जाने क्यों उसे ऐसा लग रहा था, मम्मी उसके मन की सारी बातें समझ गई हैं। रागिनी नानी से बोली, 'नानी..नानी! आप मुझे मेरी मम्मी के बचपन की बातें बताएंगी न?' नानी हंसकर बोलीं, 'हां-हां, क्यों नहीं! तेरी मम्मी तो बचपन में बहुत अच्छी थीं, मेरा बहुत ध्यान रखती थीं।'

रागिनी धीरे-से बोली, 'मैं भी अपनी मम्मी का खूब ख्याल रखूंगी।' ऐसा कहते हुए उसने एक प्यारी-सी, मीठी-सी पप्पी नानी के झुर्रियों वाले गाल पर जड़ दी। *

कविता

सूर्य कुमार पांडेय

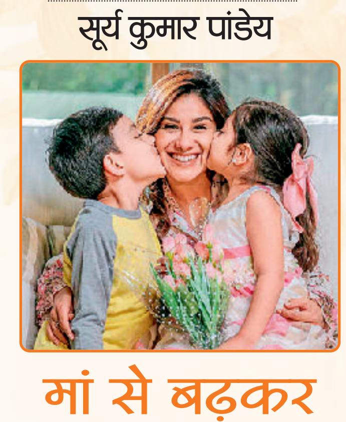

मां से बढ़कर कौन महान

मां ने हमको जन्म दिया है,
पाल-पोस कर बड़ा किया है।
मां का आंचल सुख की छाया,
मां ने हम पर प्यार लुटाया।
मां रखती बच्चों का ध्यान,
मां से बढ़कर कौन महान!
मां है ममता का अवतार,
भूलें कभी न यह उपकार।
बहुत बड़ी हो जाऊंगी जब,
अपना फर्ज निभाऊंगी तब।
मां को कभी नहीं भूलूंगी,
उनका पूरा ध्यान रखूंगी।
बहुत बड़ा हो जाऊंगा जब,
मां का कर्ज चुकाऊंगा तब।
उनको अपने साथ रखूंगा,
मां की सेवा रोज करूंगा।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां मदर्स-डे से रिलेटेड एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सारे अंतर खोजने हैं, तो देर किस बात की, फटाफट अंतर खोजो।

उत्तर : 1.बुक-शेल्फ के ऊपरी खाने में किताबें रखी हैं। 2.टेबल पर चाय के दो कप रखे हुए हैं। 3.लड़की की फ्रॉक प्रिंटेड है। 4.सोफे के बगल में लैंप-शेड रखा हुआ है। 5.गिफ्ट की पैकिंग का कलर डिफरेंट है। 6.मम्मी के टॉप में बटन लगे हुए हैं। 7.दीवार पर एक फोटो फ्रेम कम है। 8.मम्मी के पीछे रखा स्टूल गायब है।

रास्ता खोजो

बच्चों, हर्षित अपनी मम्मी को बुके देकर मदर्स-डे विश करना चाहता है। हर्षित की मम्मी एक भूल-भुलैया में कहीं छिपकर उसको आवाज दे रही हैं। तुम जल्दी से रास्ता खोजकर हर्षित को उसकी मम्मी तक पहुंचने में मदद तो करो।

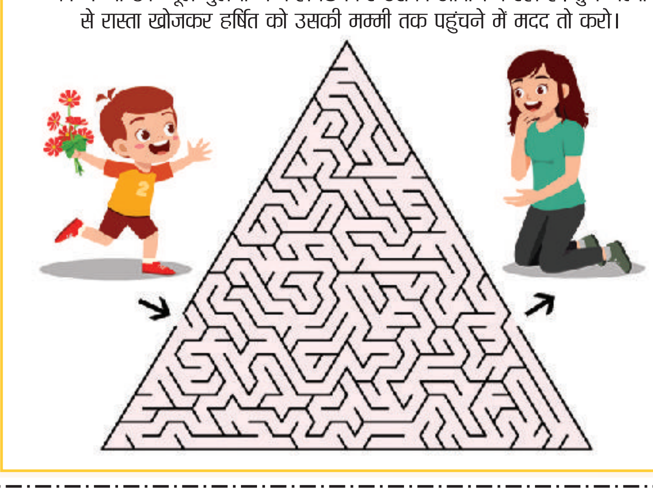

चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां एक अधूरा चित्र और उसके बगल में कुछ कट-आउट्स दिए गए हैं। तुमको इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करना है।

उत्तर:A-1, B-2, C-4, D-3

भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं...

भगवान परशुराम प्रत्येक काल में अन्याय के विरूद्ध जनपक्ष के सहयोगी अथवा प्रोत्साहक के रूप में दिखते हैं। वैदिक साहित्य से पुराण काल तक परशुराम हर शोषण के विरोधी रहे हैं। शौर्य, शक्ति, सामर्थ्य और जग विजेता होने के बावजूद ने शांति के संवाहक हैं। वे जन जागरण के पर्याय और वास्तविक जन नायक हैं। परशुराम जी का ही चरित्र है जो सतयुग के समापन के त्रेता और द्वापर होता हुआ कलयुग तक मिलता है। भार्गव राम के तेजस्वी शस्त्र परशुधारी होने के कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। पुराणों ने उन्हें अक्षय और अमर कहा है, इसीलिए उनकी जन्म तिथि बैसाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया कहा जाने लगा। परशुराम जी का जीवन काल ईसा पूर्व 2686 वर्ष यानी आज से लगभग पौने पांच हजार वर्ष पूर्ण होना अनुमानित है। काल गणना का आधार वैवस्वत मनु को माना गया है। भगवान परशुराम ने जिस सामाजिक परिवेश में जन्म लिया। उस समय समाज व्यवस्था में शोषक वर्ग निरंकुश होने लगा था। कुछ राज पुरूष शक्ति से संसाधनों पर अधिकार करने लगे थे। भूमि और स्त्री वीरों का भाग्य मानी जाने लगी। चोर, डाकुओं सहित आततियों का आतंक इतना बढ़ गया था कि जन सामान्य के लिए देशाटन और तीर्थाटन भी असंभव हो गया था। राज्य शक्ति को निरंकुशता एवं संपन्नों द्वारा दीन हीन दुखियों का शोषण भगवान शिव के उपासक भार्गव ऋषियों को सहन नहीं हुआ। ब्राम्हणों ने प्रगतिशील शक्तियों को संगठित करने का अभियान छेड़ दिया। ब्राम्हणों ने राजपुरूषों की अतिवादिता के विरूद्ध नागों, दासों और पीड़ित वनवासियों, जनजातियों को संगठित किया। इस संपूर्ण अभियान के सूत्रधार परशुराम के पिता जगदग्नि थे। जबकि नेतृत्व उनके माता तथा इतिहास प्रसिद्ध महर्षि विश्वामित्र ने किया। शक्तिशाली राजा सहस्त्रबाहु एवं उसके अनुचरों ने भारी उत्साह मचाया। कन्याओं को भ्रष्ट तथा किसानों को लूटा जाने लगा। उस अभ्मिानी को रोकने का साहस किसी में भी नहीं था। लोगों को बलपूर्वक दास बनाने की प्रथा प्रचलित हो गई थी। व्यक्ति का वर्ग उसके ज्ञान के बजाए जन्म से निर्धारित करने की कुप्रथा पैर जमाने लगी। भगवान परशुराम जी ने दासों और मुक्ति का अभियान छेड़ा और घोषणा की कि जो दलितों, शोषितों एवं पीड़ितों को मारेगा या उन पर जुल्म करेगा उन्हें भी मरना पड़ेगा। परशुराम जी ने नागों को शिक्षित प्रशिक्षित कर ब्राम्हणत्व प्रदान किया। और सहस्त्रबाहु का वध किया। परशुराम जी अद्भूत ऋषि औश्र श्रेष्ठ योद्धा थे। वे धनुर्वेद, आयुर्वेद के महानल ज्ञाता और मंत्र दृष्टा दूर लक्ष्य तेजस्वी और विलक्षण प्रतिभा संपन्न विचारक योद्धा वे दंड देने एवं शाप देने की दोनों शक्तियों से संपन्न विचारक थे। उनकी न्याय व दंड व्यवस्था कठोर थी। उन्होंने आर्यो को श्रेष्ठता के घमंड से निकालकर संपूर्ण वसुंधरा के निवासियें में एक बंधु भाव व समरसता से जुड़ने की प्रेरणा ली। परशुराम जी ने राज पुरूषों के अधिकारी को आश्रमों द्वारा नियंत्रित करने की व्यवस्था सख्ती से लागू की थी। परशुराम जी का जन्म सतयुग और त्रेतायुग के संधिकाल में बैसाख शुक्ल पक्ष की अक्ष्य तृतीया को हुआ। अक्षय तृतीया ही त्रेतायुग की आरंभ तिथि समझी जाती है। परशुराम जी का चरित्र सतयुग के समापन से त्रेता और द्वापर होता हुआ कलयुग तक मिलता है। इसी कारण उन्हें अक्षय तथा अजर अमर माना जाता है। आठ चिरंजीवियों में उनकी स्तुति की जाती है। (अस्वस्थामा, बलि, व्यास, हनुमान विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम ये सातों सहित मार्कण्डेय जी चिरंजीवी है। इनका नित्य स्मरण करने से अग्र मृत्यु और अप मृत्यु नहीं होती।)

भगवान परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
किशन शर्मा
पूर्व कोषाध्यक्ष
श्याम बाबा सेवा समिति, चांपा
श्रीमती माया शर्मा
पूर्व अध्यक्ष,मारवाड़ी ब्राम्हण महिला सेवा संघ, चांपा

भगवान
परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ. यू.सी. शर्मा
हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
जांजगीर
डॉ. यू.सी. शर्मा

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
संपूर्णानंद मिश्रा
वरिष्ठ भाजपा नेता
जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र

पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामी
श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज
का अक्षय तृतीया
के पावन अवसर पर कोटिशः नमन्..
परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
बी.डी. दीवान
पीठ परिषद
शांति नगर,चांपा

भगवान
परशुराम
जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
सुभाष शर्मा
अध्यक्ष
मारवाड़ी ब्राम्हण सेवा संघ, चांपा
सुभाष शर्मा

भगवान
परशुराम
जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
अभिषेक त्रिपाठी
सिविल कान्ट्रेक्टर, चांपा
स्मृति शेष
स्व. कुशलराम त्रिपाठी एवं परिवार
राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक
अभिषेक त्रिपाठी

भगवान
परशुराम
जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
शंकर शर्मा
सचिव
मारवाड़ी ब्राम्हण सेवा संघ चांपा
हटवारा चौक, चांपा

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
राजेश शुक्ला
प्रबंधक
महादेव ट्रांसपोर्ट कम्पनी चांपा (छ.ग.)
मो. 7999310943
शादी, पिकनिक एवं अन्य अवसरों पर वाहन बुकिंग के लिए संपर्क करें

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
डॉ. परस शर्मा
सेवानिवृत संयुक्त संचालक (आयुष)
जांजगीर (छ.ग.)

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
डॉ. जी.पी. दुबे
आयुर्वेद अधिकारी
गणेश विनायक आई हॉस्पिटल
परशुराम चौक के पास, चांपा

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
विनोद तिवारी
महराज विनोद ज्वेलर्स
सदर बाजार, सेंट्रल बैंक के सामने, चांपा (छ.ग.)

भगवान परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
अजय शर्मा
पूर्व अध्यक्ष
मारवाड़ी ब्राम्हण सेवा संघ चांपा

भगवान
परशुराम जयंती
की हार्दिक
शुभकामनाएं...
सतपाल शर्मा
ओमप्रकाश शर्मा
रमेश शर्मा
संबंधित प्रतिष्ठान
सुमन लॉज,सुमन होटल, मारवाड़ी बासा
स्टेशन रोड चांपा
रमेश शर्मा

भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं...
संबंधित प्रतिष्ठान-
बसंत इंजीनियरिंग
बिर्रा रोड, घठोली
चौक के पास, चांपा
बसंत दुबे
संजू दुबे

भगवान परशुराम जयंती एवं
चि. अर्चित के व्रतबंध की हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रभाकर शर्मा
एवं परिवार
श्री जगन्नाथ बड़े मठ के पास, चांपा
अर्चित शर्मा

भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं...
एम.डी. तिवारी
सेवा निवृत्त सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
चांपा (छ.ग.)

भगवान परशुराम
जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
शुभेच्छु
एक शुभचिंतक
विप्र चांपा

भगवान परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
चंद्रशेखर पाण्डेय
संचालक
इंजी. राहुल पाण्डेय
यश एजेंसी चांपा

भगवान परशुराम जयंती
की हार्दिक
शुभकामनाएं...
अखिलेश कोमल पाण्डेय
चांपा

भगवान
परशुराम जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं...
शुभेच्छु
डॉ. व्ही.एन. बिरथरे
बी.एस.सी., एम.बी.बी.एस
जनरल फिजिशियन एवं सोनोलॉजिस्ट
डॉ. श्रीमती एस. बिरथरे
एम.बी.बी.एस, एम.डी.
स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ
डॉ. सौरभ बिरथरे
एम.बी.बी.एस, डी.जी.ओ (गोल्ड मेडलिस्ट)
प्रसूति, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं अल्ट्रासोनोलॉजिस्ट
डॉ. श्रीमती पल्लवी बिरथरे
एम.बी.बी.एस, डी.सी.एच. (मुंबई)
नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
बिरथरे नर्सिंग होम एवं प्रसूति गृह
लायंस क्लब रोड चांपा, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) मो. 94252-23221

खबर संक्षेप

नपं के पूर्व उपाध्यक्ष ने थामा भाजपा का दामन

शिवरीनारायण। नगर पंचायत शिवरीनारायण के पूर्व उपाध्यक्ष अजित सेन तिवारी ने भाजपा के रीती नीति एवं प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर मतदान से ठीक पहले भाजपा मे विधानसभा संयोजक संतोष अग्रवाल महामंत्री, राहुल थवाईत, सविता तिवारी, सचि तिवारी ,गौरव केशरवानी के समक्ष भाजपा मे प्रवेश किया।

राम से बने परशुराम, परशुराम जन्मोत्सव आज

जांजगीर-चांपा। परशुराम भगवान शंकरजी का परम भक्त थे, उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव भोलेबाबा ने उन्हे कई शस्त्र दिये थें । जिसमें एक फरसा भी था फरसा को परशु भी कहां जाता है। माता रेणुका ने जन्म समय राम नाम रखा था भगवान शिवजी से फरसा मिलने के बाद परशुराम बन गऐ । भगवान विष्णुजी के छठवें अवतार परशुराम । पुराणों में आठ महापुरषों कावर्णन है। जिन्हें अजर अमर माना जाता है, इनमें प्रथम, हनुमानजी, अश्वत्थामा, कृपाचार्य, भगवान परशुराम, ऋषि मार्कण्डेय, राजा बलि, महर्षि वेद व्यास, विभीषण शामिल है। परशुराम किसी एक समाज के नहीं वरण सम्पुर्ण हिन्दु सनातन के है। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आज संध्या काल अपने धर आगन में रंगोली सजाकर पांच दीप अवस्य जलावें। परशुराम जन्मोत्सव मनावें श्री दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर विश्राम गृह के सामने जांजगीर में हनुमान जी के साथपरशुराजी की विषेश पुजन घ्वजारोहण शाम 5 बजे परशुरामजी विशालशोभा यात्रा निकाली जावेगी जो दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर जांजगीर से कचहरी चौक नेताजी चौक होते हुए परशुराम चौक नैला पहुंचेगी। भगवान परशुराम पूजन अर्चन महाआरती होगी प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र सार्थक ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

जांजगीर-चांपा। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांपा के छात्र सार्थक दुबे पिता

मनहरण दुबे माता श्रीमती अन्नपूर्णा दुबे ने हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024 में 95.83 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। उन्होंने अपनी सफलता का गुरूजनों सहित माता पिता को दिया है।

विवेक राठौर ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 79.4 प्रतिशत अंक किया प्राप्त

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर के कचहरी चौक में संचालित नरसिम्हा ऑटो पार्ट्स के संचालक प्रभात राठौर के सुपुत्र विवेक राठौर ने

कक्षा 12वीं की परीक्षा में 79.4 फ़ीसदी अंक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। वाणिज्य संकाय के छात्र विवेक राठौर, जिला मुख्यालय जांजगीर में ही संचालित आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। परिजनों व मित्रों ने उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

स्वाति ने अर्जित की 90 प्रतिशत अंक मिला तृतीय स्थान

बिर्रा। आर्य बाल कल्याण समिति बिर्रा द्वारा

संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में स्वाती कश्यप ने सभी विषयों में विशिष्ट योग्यता के साथ 90.16 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में तृतीय स्थान हासिल किया है। होनहार छात्रा कु स्वाती कश्यप पूर्व शैक्षिक समन्वयक व सेवानिवृत्त प्रधानपाठक अरूण कुमार कश्यप व श्रीमती अंबिका कश्यप की सुपुत्री है। सफलता पर दादाजी सेवानिवृत्त शिक्षक बुधराम कश्यप, प्राचार्य ध्रुव कुमार कहार, रूपेश कश्यप, रामकृष्ण कश्यप, जितेन्द्र तिवारी, भूपेन्द्र कुमार कश्यप सहित शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया।

51 बटुक बालकों का होगा सामूहिक उपनयन संस्कार

परशुराम जयंती मनेगी आज, शहर के चौराहों से निकलेगी भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ -चांपा

स्थानीय मारवाड़ी ब्राम्हण सेवा संघ एवं भगवान परशुराम ब्राम्हण युवा संगठन के तत्वाधान में अलग-अलग विप्र कुलभूषण भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव शुक्रवार 10 मई को धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाया जायेगा। इस मौके पर प्रातः एवं सायः भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा नगर में निकाली जायेगी। भगवान परशुराम ब्राम्हण युवा संगठन द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 9 एवं 10 मई को 51 बटुक बालकों का सामूहिक उपनयन संस्कार कराया जायेगा।

स्थानीय मारवाड़ी ब्राम्हण सेवा संघ के तत्वाधान में भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव शुक्रवार 10 मई को परंपरानुसार धूमधाम से मनाया जायेगा। इस दिन सुबह 9.30 बजे श्याम मंदिर मोदी चौक से सदर बाजार स्थित राधाकृष्ण मंदिर तक धूमधाम से भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद यहां भगवान परशुराम जी की विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ ही सभी उपस्थितों को जलपान कराया जायेगा। इसके साथ ही

कार्यक्रम संपन्न होगा। उधर स्थानीय भगवान परशुराम ब्राम्हण युवा संगठन के तत्वाधान में भगवान परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर सामूहिक उपनयन संस्कार तथा भव्य शोभायात्रा का आयोजन गुरूवार 9 मई तथा शुक्रवार 10 मई को किया गया है। तय कार्यक्रम के अनुसार इस वर्ष 51 बटुकों के उपनयन का लक्ष्य रखा गया है। शोभायात्रा में छ.ग.राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष महा मण्डलेश्वर राजेश्री महंत रामसुन्दर दास भी शामिल होंगे। गुरूवार 9 मई को सुबह से गौरी, गणेश, कलश, वेदी स्थापना पूजन, वैदिक संस्कार तथा देवा मातृपूजनादि आदि कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। शुक्रवार 10 मई को प्रातः 8 बजे से उपनयन संस्कार आरंभ होगा। पूर्वान्ह 11 बजे से भिक्षाटन के बाद सायं 4 बजे से सम्मान समारोह के पश्चात सायः 5 बजे से भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा जीवंत झांकी के साथ निकाली जायेगी। रात्रि शोभायात्रा के परशुराम चौक में पहुंचने के पश्चात महाआरती के साथ ही प्रसाद वितरण बाद कार्यक्रम का समापन होगा। कार्यक्रम में पीठ परिषद, आदित्य तथा आनंद वाहिनी तथा ब्राम्हण महिला समिति की भी सहभागिता रहेगी। सभी कार्यक्रम परशुराम भवन में सम्पन्न होंगे।

भगवान शिवरीनारायण मंदिर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव आज

शिवरीनारायण। भगवान शिवरीनारायण मंदिर परिसर में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव आज मनाया जाएगा। प्रतीक शुक्ला ने बताया 10 मई शुक्रवार शाम को भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी जोर शोर से चल रही है। उन्होंने बताया शाम 6 बजे कार्यक्रम की शुरुआत होगी। भगवान परशुराम की विशेष पूजा अर्चना कर महाआरती की जाएगी। दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। आसमान में आकाश दीप छोड़े जाएंगे। मंदिर परिसर में आकर्षक आतिशबाजी की जाएगी। भगवान को बूंदी के लड्डू, नारियल, मौसमी फल का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा जाएगा। जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भोग प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

अक्षय तृतीया पर सूर्यांश सामूहिक आदर्श गौरव विवाह आज

जांजगीर-चांपा। अक्षय तृतीया (अक्ती) के शुभ अवसर पर सूर्यांश कन्या विवाह महामहोत्सव के अंतर्गत सूर्यांश सामूहिक आदर्श गौरव विवाह॰ का आयोजन 10 मई शुक्रवार को सूर्यांश धाम, सूर्यांश प्रांगण सिवनी (नैला) में किया गया है जिसमें विवाह योग्य युवक-युवतियों के माता-पिता एवं परिजन से प्राप्त आवेदन पत्र के पात्र सभी जातियों एवं वर्गों के विवाह योग्य युवक-युवतियों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। वर्तमान समय में समाज में दिखावे की संस्कृति, फिजूल खर्ची, अत्यधिक खर्च, धन-संपत्ति, समय और श्रम के अपव्यय को कम करने के लिए सूर्यांश सामूहिक आदर्श गौरव विवाह का आयोजन किया गया है ताकि माता-पिता एवं परिजनों को प्रेरित कर अधिक से अधिक विवाह संपन्न कराया जा सके।

मूलभूत सुविधा से जूझ रही सिंचाई कालोनी

कर्मचारियों को जर्जर भवन में रहने की मजबूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

जिला मुख्यालय जांजगीर में सरकारी कॉलोनियों की व्यवस्थाओं पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। आज भी कर्मचारियों को पुराने एवं जर्जर भवन में रहने की मजबूरी बनी हुई है। इस तरह की समस्या जल संसाधन पुलिस एवं कृषि विभाग के सरकारी कॉलोनी में देखी जा सकती है।

गौरतलब है कि शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचने में कृषि पुलिस एवं जल संसाधन सहित अन्य विभागों में कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों का बड़ा योगदान होता है। वही कर्मचारी इसके लिए कार्य योजना का पालन भी करते हैं। इन्हीं सरकारी योजनाओं को अमली जामा पहनाने वाले कर्मचारी खुद व्यवस्थाओं से घिरकर रह गए हैं। स्थिति यह है कि जिला मुख्यालय जांजगीर के जल संसाधन विभाग में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों के सरकारी कॉलोनी की स्थिति जर्जर एवं काफी पुरानी घरों में रहने की मजबूरी कर्मचारियों की बनी हुई है। स्थिति यह है कि कॉलोनी के

आसपास बाउंड्री वालों की व्यवस्था भी नहीं है। ऐसे में जहरीले जीव जंतुओं के आने का डर भी बना रहता है। भवन काफी पुराना होने के कारण बरसात के दिनों में पानी टपकता रहता है। स्थिति यह है कि कई सरकारी मकान काफी जर्जर हो चुका है जिसके चलते कर्मचारी यहां रहना भी छोड़ दिए हैं। एक तरफ देखा जाए तो शासन के द्वारा बड़े-बड़े शहरों में रहने वाले सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों को बेहतर तरीके का मकान उपलब्ध कराया जाता हैद्ध वहीं दूसरी ओर छोटे शहरों में इन सरकारी कर्मचारी को सरकारी मकान पाने के लिए ही संघर्ष करना पड़ता है। इसी प्रकार पुलिस विभाग में कार्यरत आरक्षक एवं अन्य स्टाफ आज भी जांजगीर के पुराने थाना के पीछे वाले सरकारी जर्जर मकानों में रहने विवश है।

पार्किंग नहीं होने के चलते बैंक के सामने रोज लगता है जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

जिला मुख्यालय स्थित भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य शाखा के सामने पार्किग नहीं होने के चलते चालक व लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं गाडियों की संख्या अधिक होने के कारण सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

जिला मुख्यालय जांजगीर में भारतीय स्टेट बैंक मुख्य मार्ग एंव नैला रोड के एसबीआई शाखा में राशी जमा करने एंव निकालने वाले लोग बडी संख्या में बैंक आते है। इस बीच जगह की समस्या के चलते अपने वाहन सडक किनारे ही खडी कर देते है। जिसके चलते आने जाने वाले लोगो को परेशानियो का सामना भी करना पडता है। खासकर सुबह एवं शाम के समय तो लोगो की परेशानी और भी बढ जाती है। इस दौरान एसबीआई मुख्य ब्रांच के पास जाम की स्थिती निर्मित हो जाति है। जिसके चलते छोटे एवं बडे भारी वाहन चालको को काफी परेशानी उठानी पडती है। जिले का

एसबीआई के मुख्य ब्रांच के सामने खड़ी गाड़ियां।

मुख्य मार्ग होने के चलते 24 घंटे वाहनो की आवाजाही भी लगी रहती है। एसबीआई नैला ब्रांच के सामने भी बाइक की लाइन गली रहती है। जिसके चलते वाहन चालको को काफी परेशानी भी उठानी पडती है। पालिका प्रशासन एवं यातायात विभाग के द्वारा मुख्य मार्ग में वाहन खडी करने की स्थिति में जुर्माने का प्रावधान भी रखा गया है। इन सब के बावजुद मुख्य मार्ग में वाहन खडी रखने वालो को किसी तरह की कोई कार्यवाही का भय तक नही है। इसी प्रकार जिला मुख्यालय जांजगीर के नैला रोड मुख्य मार्ग पर ही पंजाब नेशनल बैंक का संचालन किया जा रहा है। यहां पर भी बाइक स्टेंड नही होने के चलते खाताधारक लोग अपने वाहन मुख्य मार्ग पर ही खडी कर देते है।

बहेराडीह में दूजेराम ने दी मनमोहक प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहेराडीह

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार राजनांदगांव जिले की चिखली गांव के दूजे निषाद उर्फ ढोलढोल और उनके टीम बहेराडीह गांव पहुंचे। जहाँ ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ी लोककलाकारों का भव्य स्वागत किया।

रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम में हास्य कलाकार दूजे निषाद उर्फ ढोलढोल और उनके टीम की मनमोहक प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी डॉ सुरेश कुमार देवांगन, जिला ब्यापार उद्योग केंद्र के डीआरपी संतोष कुमार शुक्ला, कुंजबिहारी साहू किसान स्कूल के संचालक दीनदयाल यादव ने किया। कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति में रायगढ़ निवासी राकेश चंद्रा, अज्जू,कैलाश, पिंकी समेत अन्य कलाकारों का सराहनीय योगदान

कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार।

रहा।इस अवसर पर गांव के उपसरपंच चन्दा सरवन कश्यप, रामगोपाल यादव, संतोष कुमार यादव, दीपक यादव, यशवंत यादव, जितेंद्र कुमार यादव,रामनारायण यादव, दिनेश कुमार यादव, मुकेश कुमार यादव,शिवराम कश्यप, घनश्याम यादव, नवधा सिंह गोड़, धनीराम यादव, रामलाल यादव, छेदी लाल यादव, मूरित राम यादव, रामकृष्ण यादव, अर्जुन यादव, श्याम सिंह, ललित कंवर, राजकुमार यादव, रामदयाल यादव, ईश्वर प्रसाद यादव, यशवंत कुमार यादव,तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे सड़क किनारे खुले ट्रांसफार्मर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

शहर के अधिकांश गली-मोहल्लों में खुले ट्रांसफार्मर खतरों को आमंत्रित कर रहे हैं। इन खुले ट्रांसफार्मरों से विद्युत तरंगित केबल बाहर लटकते रहता है, जिससे हमेशा खतरे की आशंका बनी रहती है। कई चौक-चौराहों में लगे ट्रांसफार्मर से ग्रिप गायब है और आए दिन शार्ट सर्किट के दौरान इसमें से निकलने वाली चिंगारी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रही है।

जिला मुख्यालय में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या करीब 14 हजार के करीब है। वहीं शहर की बढ़ती आबादी से आवासीय परिसरों की संख्या भी बढ़ी है। इससे पहले से सकरी गलियां और तंग होने लगी है। विद्युत कंपनी ने बिजली व्यवस्था के लिए खंभे लगाकर हाईटेंशन तार का विस्तार किया है, वहीं विद्युत लोड को नियंत्रित करने के लिए चौक-चौराहों तथा सड़क किनारे ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, लेकिन इसके रखरखाव की उचित व्यवस्था नहीं होने के के कारण दुर्घटना होने की संभावना बनी

खुला ट्रांसफार्मर

रहती है। मुख्य मार्ग सहित विभिन्न मोहल्लों में विद्युत तार का विस्तार किया गया है, वहीं कनेक्शनों की संख्या में बढ़ोत्तरी के साथ ही जगह-जगह तारों का मकड़जाल है। कई जगह तार की ऊंचाई भी जमीन से कम है, मगर इसके लिए विभाग के अधिकारी गंभीर नहीं है। शहर के लिंक रोड, शिव मंदिर गली, कलेक्टोरेट रोड, केरा रोड सहित कई अन्य जगहों पर जक्शन बाक्स खुले पड़े है। वहीं गली मोहल्लों या मुख्य मार्गों के किनारे ट्रांसफार्मर लगे है।

जिला मुख्यालय में गुमाश्ता एक्ट का नहीं हो रहा पालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

जिला मुख्यालय जांजगीर मे गुमास्ता एक्ट के नियमो का पालन होता नजर नही आ रहा है। नियमो के तहत यहां गुरूवार के दिन दुकान बंद रखी जानी है। ताकि दुकान संचालक एंव कर्मचारियो को सप्ताह में एक दिन आराम मिल सके। वही बढते प्रतिस्पर्धा के चलते कई ब्यापारी चाहकर भी दुकान बंद नही रख पाते। जिम्मेदार पालिका प्रशासन के अफसर इस पर ध्यान तक नही दे रहे है।

खास बात

- गुरूवार के दिन भी खुली रहती है अधिकांश दुकाने

गौरतलब है कि नगर पालिका परिषद से मिले अनुमति के आधार पर जिला मुख्यालय जांजगीर में कपडा, श्रृंगार सदन, मिष्ठान भंडार,

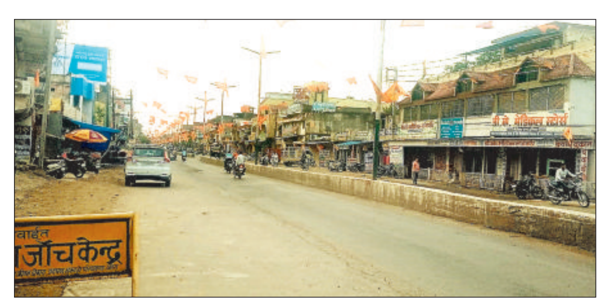

जिला मुख्यालय में गुरूवार को भी खुली रही दुकानें।

होटल, ज्वेलर्स, फल, जूस, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकल, जूता, सहीत अन्य दुकानो का संचालन बडे पैमाने पर किया जा रहा है। नियमो के तहत महीने के प्रत्येक गुरूवार को सप्ताह में एक दिन दुकान एंव संस्थान को बंद किया जाना रहता है। ताकि दुकान संचालक के साथ काम करने वाले कर्मचारियो को भी सप्ताह में एक दिन का अवकाश मिल सके। शहर की अधिकांश दुकाने गुरूवार के दिन भी खुली रहती है। जिसके चलते कर्मचारियो को अवकाश नही मिल पाता है। श्रम अधिनियम के तहत निजी संस्थानो में काम करने वाले श्रमिको को सप्ताह मे एक दिन का अवकाश दिया जाना जरूरी है। वही देखा जाए तो गुमास्ता एक्ट का पालन होता नजर नही आ रहा है। कर्मचारियो के पास भी कई तरह के निजी काम होते है। वही छुटटी नही मिल पाने के चलते उन्हें कई तरह की परेशानी भी उठानी पडती है। इधर देखा जाए तो बढते प्रतिस्पर्धा को लेकर कई ब्यापारी भी अपनी दुकान बंद नही रखना चाहते। ऐसे में दुकान का संचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार चाम्पा नगर पालिका प्ररिषद के अंतर्गत भी सैकडो दुकानो का संचालन किया जा रहा है। चाम्पा शहर में बुधवार के दिन सप्ताह मे एक दिन दुकान बंद रखा जाना आवश्यक है। यहां पर प्रत्येक दिन दुकाने खुली रहती है।

ली जाएगी बैठक

गुमास्ता एक्ट के तहत जांजगीर शहर मे गुरूवार के दिन दुकाने बंद रखने का नियम है। इसे लेकर जल्द ही ब्यापारियो की बैठक ली जाएगी। बैठक मे दुकाने बंद रखने को लेकर चर्चा की जाएगी।

-प्रहलाद पांडेय,
सीएमओ
जांजगीर चांपा

मौसम का तेवर बदलते ही रूलाने लगती है बिजली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

मौसम का मिजाज बदलते ही क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था बदहाल हो रही है। जरा सी आंधी और बारिश से विद्युत व्यवस्था लोगों को रूलाने लगती है। क्षेत्र की लचर विद्युत व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बन गई है।

विद्युत की सुचारू आपूर्ति की सुविधा देने बिर्रा में 33/11 केव्ही सब स्टेशन की स्थापना की गई है। लोगों को बिजली की आंख मिचौली व लोवोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने सब स्टेशन स्थापित किया गया है, लेकिन सब स्टेशन होने के बावजूद इन तमाम समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। हल्की आंधी और बारिश होने के कारण बिजली दस से बारह घंटे तक गुल हो रही है। वहीं हर दस मिनट के बाद बिजली गुल होना आम बात हो गई है। बिजली की आपूर्ति आएं दिन ठप्प रहने के कारण जिला सहकारी बैंक, सरकारी कार्यालय में सबसे ज्यादा कामकाज प्रभावित हो रहा है । वहीं लोग अपने काम के लिए बैंक व सरकारी दफ्तर पहुंचने पर बिजली गुल रहने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सबसे ज्यादा रात को बिजली गुल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात में बिजली व्यवस्था बहाल नहीं होने के कारण लोगों को रतजगा करना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति बंद होने से रात्रि में मच्छर के आतंक से लोग परेशान दिखाई देते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों को परेशानी हो रही है। बिजली की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

गर्म हवा के थपेड़ों से बढ़ा हिट स्ट्रोक का खतरा

जांजगीर-चांपा। सूरज की किरणें अब आग बरसाने लगी है। इसके साथ ही तापमान में बढोतरी भी होने लगी है। शहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर गया है। ऐसे में दोपहर के वक्त लोगों को पसीने से तरबतर होना पड़ रहा है। इधर हिट स्ट्रोक के खतरे को देखते हुए शासन द्वारा जहां स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। वहीं अप्रैल महीने में सूरज की किरणें आग बरसाने लगी है। पिछले दिनों बदली और बारिश से मौसम में कुछ ठंडकता रही, लेकिन इसके बाद मौसम के साफ होते ही सूर्यदेव की तपिश भी बढ़ने लगी है। गुरूवार 9 मई को शहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर गया। वहीं न्यूनतम डिग्री 27 रहा। शहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर गया है। ऐसे में दोपहर के वक्त लोगों को पसीने से तरबतर होना पड़ रहा है। इधर उमस भरी गर्मी के चलते लोगों का जीना मुहाल हो गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार तापमान बढता रहा है। जिसके चलते सुबह 10 बजे से सडकों की लोगों की आवाजाही कम हो रही है। वहीं शाम 6 बजे के बाद ही लोग घरों से बाहर निकलने लगे है। दोपहर के समय सड़क वीरान हो जाती है।

निविदा आमंत्रण की सूचना

गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. चांपा जिला जांजगीर चांपा छ.ग. पं.क्र. 50 के भूमि स्वामी हक की कृषि भूमि चांपा स्थित खसरा नं. 2010/1 रकबा 0.93 एकड़ है इसे बिक्री करने का प्रस्ताव संचालक मण्डल के द्वारा अपनी बैठक दिनांक 14.03.2024 को पारित किया गया है। इस प्रस्ताव के तहत समिति उक्त कृषि भूमि को बिक्री हेतु निविदा आमंत्रित किये जाने की सूचना आम जनता को दी जाती है ।

इच्छुक व्यक्ति समिति के नाम 5 हजार रू. का टी.डी.आर. जमा कर बंद लिफाफे में निविदा समिति में सूचना दिनांक 11.05.2024 से 26.05.2024 समय 03.00 बजे दोपहर तक जमा कर सकेंगे। भूमि की कीमत शासकीय बाजार मूल्य से अधिकतम रहेगी।

समिति कार्यालय (कॉलेज के पास) की बैठक में दिनांक 27.05.2024 समय 02:00 बजे दोपहर को निविदा खोली जायेगी। निविदा की राशि अधिकतम दर से किसी कारणवश कम पाये जाने पर निविदा निरस्त करने का अधिकार समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष
गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित चांपा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
मो. 9425223170, 9630027020

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना ।प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक

जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.)
स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

online Booking:-www.tripuryatra.com
सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 20,500/-
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
By Train-रिजर्वशन कोच
20 मई से 02 जून 2024, 24 मई से 06 जून 2024, 26 मई से 08 जून 2024, 29 मई से 11 जून 2024
05 जून से 18 जून 2024
राशिः-स्लीपर-20,500/-, 3 एसी- 29,500/-, 2 एसी- 34,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411